शनिवार, 8 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

विदेशी टी20 लीग में नजर आएंगे अजिंक्य रहाणे

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

विस्मया मोहनलाल की 'थुडक्कम' ने मचाई हलचल

Page-05

कांग्रेस ने अपने सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को संसद में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। FCRA संशोधन और परिसीमन से जुड़े संभावित विधेयकों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच सियासी घमासान बढ़ने के आसार हैं।

FCRA और परिसीमन बिल पर नजर

संसद में बढ़ेगा सियासी पारा, कांग्रेस ने सांसदों को जारी किया व्हिप

संसद के मानसून सत्र के अंतिम दौर में राजनीतिक हलचल तेज होने के आसार हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा में अपने सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी कर उन्हें 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने का निर्देश दिया है। पार्टी ने अपने सांसदों की मौजूदगी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि इन तीन दिनों में सदन में बेहद जरूरी मुद्दों पर चर्चा होनी है।राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक की ओर से जारी व्हिप में सांसदों से सोमवार, मंगलवार और बुधवार को सदन में उपस्थित रहने को कहा गया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने INDIA गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों से भी अपने-अपने सांसदों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की अपील की है। कांग्रेस का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब अगले सप्ताह संसद में कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि विवादित FCRA संशोधन विधेयक पर अगले सप्ताह चर्चा हो सकती है और सरकार इसे पारित कराने की कोशिश कर सकती है। इसके अलावा परिसीमन से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक को लेकर भी विपक्षी दलों के बीच चर्चा तेज है। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से अगले सप्ताह के संभावित सरकारी कामकाज की जानकारी देते समय इन दोनों प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है।महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार विपक्षी दलों से समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है। इसी सिलसिले में सरकार की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी बातचीत की गई है। सूत्रों के मुताबिक, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और राहुल गांधी के बीच इस मुद्दे पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है।सरकार ने कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी और NCP(SP) समेत INDIA गठबंधन के अन्य दलों से भी संपर्क किया है। बताया जा रहा है कि DMK ने किसी अंतिम निर्णय से पहले कुछ आश्वासन मांगे हैं। वहीं, राहुल गांधी ने प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है और कहा है कि वह INDIA गठबंधन के सहयोगी दलों से भी चर्चा करेंगे।ऐसे में संसद के अगले तीन दिन बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। कांग्रेस का व्हिप और सरकार की विपक्ष से बातचीत संकेत दे रही है कि मानसून सत्र के अंतिम चरण में विधायी एजेंडे के साथ-साथ सियासी तापमान भी बढ़ सकता है।

विजय-संगीता तलाक मामले में नया मोड़, पत्नी ने वापस ली याचिका

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता से राजनेता बने सी. जोसेफ विजय से जुड़े तलाक मामले में शुक्रवार को बड़ा मोड़ आया। उनकी पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू जिला अदालत में दायर तलाक की याचिका वापस ले ली। याचिका वापस लिए जाने के बाद अदालत ने मामले को बंद कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद विजय और संगीता के रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल विराम लगता दिखाई दे रहा है।शुक्रवार को हुई सुनवाई में संगीता लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में शामिल हुईं। वहीं, विजय व्यक्तिगत रूप से अदालत में मौजूद नहीं हो सके। उनके वकील ने अदालत को बताया कि तमिलनाडु विधानसभा का सत्र चल रहा है, जिसके कारण विजय अदालत में पेश नहीं हो पाए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने संगीता की ओर से याचिका वापस लिए जाने को स्वीकार कर लिया और मामले को बंद कर दिया। इससे पहले भी इस मामले की सुनवाई कई बार टल चुकी थी, क्योंकि दोनों पक्ष व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश नहीं हो सके थे। विजय और संगीता ने सुरक्षा और अन्य प्रक्रियात्मक कारणों का हवाला देते हुए अदालत से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। मामला पहली बार जून में फैमिली कोर्ट के सामने आया था। उस दौरान अदालत ने संगीता के वकील से वकालतनामा दाखिल करने में हुई देरी को लेकर सवाल किया था। कोर्ट ने आगे की कार्यवाही से पहले दोनों पक्षों को मीडिएशन सेंटर भेजने की बात भी कही थी

FCRA संशोधन पर अमेरिकी सांसद की आलोचना खारिज

भारत के प्रस्तावित विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर अमेरिका की ओर से की गई आलोचना पर विदेश मंत्रालय (MEA) ने कड़ा रुख अपनाया है। मंत्रालय ने अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राइली मूर की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि भारत में कानून बनाना एक स्थापित लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और देश से जुड़े विधायी मामले पूरी तरह आंतरिक विषय हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका समेत कई देशों में विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करने के लिए अपने-अपने कानूनी प्रावधान मौजूद हैं।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत के घरेलू कानूनों को उनके सही संदर्भ में देखा जाना चाहिए और ऐसे मामलों पर फैसला देश की संसद करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश अपने कानूनी ढांचे के माध्यम से विदेशी योगदान और उसके प्रवाह को नियंत्रित करते हैं।IMEA की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी सांसद राइली मूर के बयान के कुछ दिन बाद आई है। वेस्ट वर्जीनिया से रिपब्लिकन प्रतिनिधि मूर ने 4 अगस्त को प्रस्तावित FCRA संशोधनों पर चिंता जताई थी। उन्होंने दावा किया था कि इन बदलावों का ईसाई संगठनों, चर्चों और धार्मिक चैरिटी पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। मूर ने यह भी चेतावनी दी थी कि प्रस्तावित कानून भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर सकता है। विधेयक में विदेशी नागरिकों के प्रमुख पदों पर होने की स्थिति में विदेशी योगदान प्राप्त करने के लिए पंजीकरण या पूर्व अनुमति को लेकर भी कड़े प्रावधान प्रस्तावित हैं। । ऐसे में FCRA संशोधन को लेकर भारत और अमेरिका के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

यूपी चुनाव से पहले RLD को बड़ा झटका

प्रदेश अध्यक्ष रामाशिश राय ने पार्टी से दिया इस्तीफा

उत्तर प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव से करीब सात महीने पहले राष्ट्रीय लोक दल (RLD) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रामाशिश राय ने शुक्रवार को अपने पद के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। राय के इस फैसले ने प्रदेश की सियासत में हलचल बढ़ा दी है, क्योंकि RLD इस समय बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) का हिस्सा है।रामाशिश राय ने केंद्रीय मंत्री और RLD प्रमुख जयंत चौधरी को भेजे अपने इस्तीफे में पार्टी छोड़ने के पीछे वैचारिक और राजनीतिक कारणों का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में समाज को जाति, उपजाति और धर्म के आधार पर बांटने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। राय ने कहा कि प्रभावशाली और आर्थिक रूप से मजबूत वर्गों का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रभाव बढ़ता जा रहा है, जिससे आम लोगों के हितों से जुड़े मुद्दे पीछे छूट रहे हैं।अपने पत्र में राय ने शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि इन विषयों को लेकर आम लोगों और खासतौर पर युवाओं, छात्रों और किसानों के बीच चिंता बढ़ रही है। राय ने संविधान, लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इन संस्थाओं पर कथित रूप से हो रहे प्रहार लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय हैं।राय ने अपने इस्तीफे को वैचारिक और नैतिक निर्णय बताते हुए लिखा कि व्यक्ति से बड़ा दल और दल से बड़ा देश होता है। उन्होंने कहा कि इन्हीं विचारों और नैतिक कारणों के चलते वह RLD के प्रदेश अध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।रामाशिश राय को 27 मई 2022 को RLD की उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने और युवाओं, किसानों तथा छात्रों से जुड़े मुद्दों को उठाने पर जोर दिया।RLD फिलहाल केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली NDA सरकार और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की सहयोगी है। ऐसे समय में प्रदेश अध्यक्ष का इस्तीफा पार्टी के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। चुनावी तैयारियों के बीच यह फैसला RLD के संगठन और NDA के साथ उसके राजनीतिक समीकरण को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे सकता है।

जलडमरूमध्य खोलने को लेकर अमेरिका की मंजूरी का इंतजार

मध्य पूर्व में पिछले कई महीनों से जारी तनाव के बीच होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर एक बड़ी कूटनीतिक पहल सामने आई है। ईरान ने दावा किया है कि वह ओमान की मध्यस्थता में हो रहे 'होर्मुज़ समझौते' के बेहद करीब पहुंच गया है। प्रस्ताव का उद्देश्य दुनिया के सबसे अहम तेल और LNG आपूर्ति मार्गों में शामिल होर्मुज़ जलडमरूमध्य को जहाजों की आवाजाही के लिए दोबारा खोलना है। हालांकि, इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए ईरान को अभी अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अंतिम मंजूरी का इंतजार है।ईरान की संसद के स्पीकर और प्रमुख वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी घालीबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर 'थिएटर डिप्लोमेसी' यानी दिखावे की कूटनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि धमकियां देना, वादे तोड़ना और गलत सूचनाओं का इस्तेमाल करना प्रभावी रणनीति नहीं है। उन्होंने अमेरिका से तथ्यों को स्वीकार करने और किए गए वादों को पूरा करने की अपील की।

रांची में छात्र प्रदर्शन के दौरान

AISA अध्यक्ष पर स्याही फेंकी, आरोपी हिरासत में; परीक्षा सुधारों की मांग तेज

रांची में शुक्रवार को झारखंड विधानसभा की ओर निकाले गए विरोध मार्च के दौरान ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) की अध्यक्ष नेहा बोरा पर कथित तौर पर स्याही फेंकने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। यह विरोध प्रदर्शन 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) सिविल सेवा परीक्षा और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (JSSC-CGL) परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन का हिस्सा था।घटना के बाद नेहा बोरा ने स्याही लगी अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान उनके साथ करीब 20 अन्य महिलाओं पर भी तरल पदार्थ फेंका गया। बोरा ने इस घटना को लेकर कहा कि स्याही उनके लिए शर्मिंदा करने का हथियार हो सकती है, लेकिन प्रदर्शनकारी इसी स्याही से

अपना भविष्य लिखेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस घटना से डरने वाली नहीं हैं।बोरा ने अपने बयान में इससे पहले हुए छात्र प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि 20 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस के गोले और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। उनका कहना है कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने मांग की कि पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी के मामलों में केवल निजी एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराने के बजाय संबंधित सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जाए।AISA अध्यक्ष ने कथित अनियमितताओं से जुड़ी निजी एजेंसियों को हटाने और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार को पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

गाजा युद्ध पर इजरायल के खिलाफ बढ़ा दबाव

8 मुस्लिम देशों ने शांति योजना को लेकर जताई चिंता

गाजा में जारी सैन्य अभियान को लेकर इजरायल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ता जा रहा है।UAE समेत 8 मुस्लिम देशों ने आरोप लगाया कि हमले गाजा में शांति की कोशिशों और मानवीय सहायता को प्रभावित कर रहे हैं।वहीं, इजरायल ने हमास के पूरी तरह हथियार छोड़ने तक सैन्य कार्रवाई रोकने से इनकार किया है।

गाजा युद्ध को लेकर इजरायल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात समेत 8 मुस्लिम देशों ने एक संयुक्त बयान जारी कर इजरायल के मौजूदा हमलों की कड़ी आलोचना की है। इन देशों का कहना है कि इजरायल के हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस शांति योजना को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिसका उद्देश्य गाजा युद्ध को खत्म करना है। यह संयुक्त बयान UAE, कतर, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किये, सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्रियों की ओर से जारी किया गया। बयान में कहा गया कि इजरायल का लगातार सैन्य अभियान गाजा शांति योजना के अगले फेज को लागू करने की अंतरराष्ट्रीय कोशिशों को कमजोर कर रहा है। खास तौर पर तब, जब विभिन्न फिलिस्तीनी गुट ट्रंप की ओर से पेश किए गए रोडमैप को स्वीकार कर चुके हैं। इसमें कहा गया कि इजरायल की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और इससे कई महीनों की कूटनीतिक कोशिशें खतरे में पड़ सकती हैं। इन देशों के मुताबिक, गाजा में जारी सैन्य अभियान न केवल राजनीतिक प्रक्रिया को पटरी से उतार सकता है, बल्कि हिंसा के नए दौर को भी जन्म दे सकता है और वहां पहले से मौजूद मानवीय संकट को और गंभीर बना सकता है। आठों देशों ने आरोप लगाया कि गाजा में अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य नागरिक ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है। बयान में महिलाओं और बच्चों समेत बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत पर भी चिंता जताई गई। इन देशों ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों, मेडिकल स्टाफ और राहतकर्मियों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत अनिवार्य है और गाजा के हर हिस्से तक दवाइयों, मेडिकल सहायता और राहत सामग्री की सुरक्षित तथा बिना किसी रुकावट के पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। संयुक्त बयान में केवल गाजा ही नहीं, बल्कि वेस्ट बैंक और पूर्वी येरुशलम की स्थिति का भी जिक्र किया गया। विदेश मंत्रियों ने दो-राष्ट्र समाधान या 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' के समर्थन को दोहराते हुए फिलिस्तीनी क्षेत्रों के किसी भी तरह के विलय और लोगों के जबरन विस्थापन का विरोध किया। दरअसल, यह बयान ऐसे समय आया है जब डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रस्तावित युद्धविराम योजना को लागू करने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस योजना के तहत हमास को अपने हथियार सौंपने थे और इसके बदले इजरायल को सैन्य कार्रवाई रोकते हुए चरणबद्ध तरीके से गाजा से अपनी सेना हटानी थी। हालांकि, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि जब तक हमास पूरी तरह से हथियार नहीं छोड़ देता, तब तक इजरायली सेना गाजा से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की ओर से एक मसौदा भेजा गया था, लेकिन इजरायल ने उसे स्वीकार नहीं किया। नेतन्याहू ने कहा, 'ट्रंप प्रशासन ने हमें एक ड्राफ्ट भेजा था। हमने उससे सहमति नहीं जताई क्योंकि वह हमारा मसौदा नहीं था। हमने अपनी टिप्पणियां भेज दी हैं। हम अपने हितों पर मजबूती और समझदारी से कायम हैं।'

स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में 15 मनमोहक झांकियां निकाली जाएंगी

बोस्टन में भारतीय-अमेरिकी समुदाय भारत के स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाने की तैयारियों में जुटा हुआ है। इस अवसर पर भव्य परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जो भारत और अमेरिका के बीच मजबूत साझेदारी को भी प्रदर्शित करेंगे। 'फाउंडेशन ऑफ इंडियन-अमेरिकन्स' (एफआईए)-न्यू इंग्लैंड द्वारा नौ अगस्त को बोस्टन में 5वीं 'इंटरनेशनल इंडिया डे परेड' आयोजित की जाएगी। इसे न्यू इंग्लैंड क्षेत्र में भारत के स्वतंत्रता दिवस, उसकी सांस्कृतिक विरासत और भारत-अमेरिका की स्थायी मित्रता के सबसे बड़े आयोजनों में से एक माना जाता है। एफआईए-न्यू इंग्लैंड ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा कि भारत की स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित इस वर्ष की परेड का विषय 'स्वतंत्रता का उत्सव एवं अमेरिका-भारत मित्रता' रखा गया है। परेड में 15 आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। इसके साथ ही एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न सामुदायिक संगठनों, पूर्व सैनिकों, आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों और न्यू इंग्लैंड के भारतीय-अमेरिकी समुदाय की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाले हजारों लोगों की भागीदारी होगी। इस समारोह के ग्रैंड मार्शल कर्नल इंदर प्रीत सिंह (युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित पूर्व सैनिक) और अमेरिकी नौसेना की खुफिया विशेषज्ञ मैगी लेहमन होंगे। उन्हें देश की सेवा और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोस्टन में भारत के पहले महावाणिज्यदूत रघुराम शास्त्री होंगे।

वायुसेना की स्क्वाड्रन लीडर भावना कांत देश की पहली महिला 'टॉप गन' कॉम्बैट पायलट

नियमों के उल्लंघन पर 1,200 अस्पतालों को निलंबित किया

सात अगस्त केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि इस साल 31 मई तक, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के कारण राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 2,000 से ज़्यादा अस्पतालों को सूची से हटा दिया है और 1,200 अन्य को निलंबित कर दिया है। नड्डा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि योजना के दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए 29 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और 328.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नड्डा ने कहा कि नियमों के उल्लंघन के कारण 2,359 अस्पतालों को सूची से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना में धोखाधड़ी के मामले में 'कतई बर्दाश्त नहीं करने की' नीति अपनाई जाती है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के तहत राष्ट्रीय धोखाधड़ी रोधी इकाई संदिग्ध दावों का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग पर आधारित स्वचालित प्रणाली का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि ये स्वचालित प्रणालियां दावा जमा होने के 24 घंटे के भीतर असामान्य दावा पैटर्न की पहचान करती हैं, जिनमें अनधिकृत बिलिंग, दोहरी प्रविष्टि, बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई प्रक्रियाओं और मरीज की पहचान का गलत इस्तेमाल शामिल है। मंत्री ने कहा कि संदिग्ध माने गए दावों की भुगतान से पहले जांच की जाती है और धोखाधड़ी वाले दावों का भुगतान नहीं किया जाता है, जिससे 31 जुलाई, 2026 तक 676.14 करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों को निलंबित करने और सूची से हटाने के अलावा, योजना के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों के खिलाफ जुर्माना लगाने और प्राथमिकी दर्ज करने जैसी कार्रवाई भी की जाती हैं। आयुष्मान भारत योजना देश की आबादी के निचले 40 प्रतिशत हिस्से को द्वितीय और तृतीय स्तर के अस्पतालों में भर्ती कराने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कवरेज देती है। यह योजना सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की जा रही है, और कई राज्य इसे अपनी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के साथ जोड़ रहे हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोला-बारूद की कमी की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि वॉशिंगटन में हथियारों और गोला-बारूद की कमी हो रही है। उन्होंने इस दावे का भी खंडन किया कि उन्होंने इस कमी को लेकर अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से कोई तीखी बहस की थी। उन्होंने इन खबरों को फर्जी खबर करार दिया और पेंटागन के हथियारों के भंडार से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद मामले की नई जांच के आदेश दिए हैं। यह बात तब सामने आई जब 'द वॉशिंगटन पोस्ट' की एक रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप ने पिछले हफ़्ते हेगसेथ से पूछताछ की थी। उन्हें पता चला था कि हेगसेथ को गोला-बारूद की भारी कमी के बारे में गलत जानकारी दी गई थी, जिससे ईरान के ख़िलाफ़ अमेरिकी सेना के विकल्प सीमित हो सकते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के पास हथियारों का भारी भंडार है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जो लोग कमी के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं, उन्हें जेल हो सकती है। उन्होंने गुरुवार को 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि पीट हेगसेथ जो काम कर रहे हैं, उससे मैं बहुत खुश हूँ। सब कुछ असाधारण रहा है, जिसमें वेनेजुएला पर हमारा हमला भी शामिल है, और इसी तरह ईरान में भी, "जहाँ देश को पूरी तरह तबाह कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के पास भारी मात्रा में गोला-बारूद है, ख़ासकर कुछ खास तरह का, लेकिन उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, ज़रूरत के हिसाब से बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बनाया जा रहा है और अमेरिका भेजा जा रहा है। डिफेंस कंपनियाँ हमारे देश के इतिहास में सबसे ज़्यादा प्लांट और फ़ैक्ट्रियाँ बना रही हैं।

थाईलैंड के स्कूल में गोलीबारी से मचा हड़कंप

बैंकॉक के बाहरी इलाके में स्थित नोंथाबुरी प्रांत के बैंग क्रुआई जिले के डेबसिरिन नोंथाबुरी हाई स्कूल में शुक्रवार को हुई गोलीबारी की घटना से सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, बैंकॉक के पास स्थित इस स्कूल में फायरिंग करने से पहले एक किशोर संदिग्ध ने अपने घर में अपने दादा-दादी की हत्या कर दी और उसके बाद स्कूल पहुंचकर कम से कम छह अन्य लोगों को गोली मार दी। फायरिंग से बचने के लिए मची भगदड़ में 15 से अधिक लोग घायल हो गए। नेशनल पुलिस के बयान के अनुसार, आरोपी ने सबसे पहले अपने दादा की हैंडगन से अपने दादा-दादी की हत्या की। इसके बाद वह बैंकॉक के उत्तर में स्थित एक सेकेंडरी स्कूल पहुंचा, जहां उसने तीन शिक्षकों और तीन छात्रों पर गोलीबारी की। डिप्टी इंटीरियर मिनिस्टर पोलापी सुवंचवी ने स्थानीय प्रसारक थाई PBS को बताया कि गोलीबारी से बचने के प्रयास में मची भगदड़ में 15 छात्र घायल हुए, हालांकि उन्हें गोली नहीं लगी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को पीड़ितों तथा उनके परिजनों की हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, हमलावर ने स्कूल में गोलीबारी करने से पहले अपने घर पर अपने दादा-दादी की हत्या की। उसने कुल 26 राउंड गोलियां चलाईं। घटनास्थल से 34 जीवित कारतूस भी बरामद किए गए हैं। थाईलैंड में बंदूक रखने के कानून काफी सख्त हैं, लेकिन इसके बावजूद अवैध हथियारों का प्रचलन व्यापक है। अवैध रूप से हथियार रखने पर 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। दक्षिण-पूर्व एशिया में नागरिकों के पास हथियार रखने के मामले में थाईलैंड अग्रणी देशों में शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, स्कूल में गोलीबारी करने वाला आरोपी उसी स्कूल का एक किशोर छात्र था। स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में संदिग्ध बैंगनी रंग की स्कूल यूनिफॉर्म पहने और काले रंग का क्रॉस-बॉडी बैग लिए दिखाई दे रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, उसकी भी मौत हो गई है। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि पुलिस ने उसे मुठभेड़ में मार गिराया, जबकि अन्य रिपोर्टों के अनुसार उसने आत्महत्या कर ली। हालांकि, थाई पुलिस ने अभी तक उसकी मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

संपादक की कलम से

महाराष्ट्र की राजनीति में महायुति गठबंधन के भीतर एक बार फिर सियासी हलचल दिखाई देने लगी है। डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा पवार की चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से मुलाकात के बाद बीजेपी नेता चंद्रशेखर बावनकुले की सार्वजनिक नसीहत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भले ही यह मुलाकात एनसीपी का आंतरिक विषय हो, लेकिन जब कोई पार्टी गठबंधन सरकार का हिस्सा होती है, तब उसके बड़े नेताओं की राजनीतिक गतिविधियां स्वाभाविक रूप से सहयोगी दलों के लिए भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।महायुति में बीजेपी, एनसीपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना शामिल है। गठबंधन की मजबूती केवल सत्ता में बने रहने के लिए नहीं, बल्कि आगामी चुनावी चुनौतियों का सामना करने के लिए भी जरूरी है। ऐसे में सहयोगी दलों के बीच अविश्वास या संदेह की स्थिति गठबंधन के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।सुनेत्रा पवार और प्रशांत किशोर की मुलाकात को लेकर अभी तक बातचीत का आधिकारिक एजेंडा सामने नहीं आया है। इसलिए केवल मुलाकात के आधार पर किसी बड़े राजनीतिक निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। प्रशांत किशोर लंबे समय से अलग-अलग राजनीतिक दलों और नेताओं के चुनावी अभियानों से जुड़े रहे हैं। ऐसे में किसी राजनीतिक नेता से उनकी मुलाकात को तुरंत गठबंधन की रणनीति में बदलाव से जोड़ना उचित नहीं होगा।हालांकि, बावनकुले की टिप्पणी यह जरूर बताती है कि महायुति के भीतर राजनीतिक संवेदनशीलता बढ़ी हुई है। गठबंधन में शामिल दलों की अपनी-अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं और संगठनात्मक प्राथमिकताएं हो सकती हैं, लेकिन सत्ता की साझेदारी में सबसे बड़ी जरूरत आपसी विश्वास और स्पष्ट संवाद की होती है।महाराष्ट्र जैसे जटिल राजनीतिक समीकरण वाले राज्य में गठबंधन की सफलता केवल सीटों के बंटवारे या चुनावी रणनीति से तय नहीं होती। इसके लिए शीर्ष नेतृत्व के बीच भरोसा, कार्यकर्ताओं के स्तर पर समन्वय और सार्वजनिक मंचों पर संयम भी जरूरी है।इस पूरे घटनाक्रम से महायुति के नेतृत्व को एक सबक लेना चाहिए—सहयोगी दलों की गतिविधियों पर सार्वजनिक टिप्पणी करने के बजाय आपसी बातचीत का रास्ता मजबूत किया जाए। मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें अविश्वास में बदलने से रोकना गठबंधन नेतृत्व की जिम्मेदारी है। यदि महायुति को अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत रखनी है, तो उसे सबसे पहले अपने भीतर संवाद और भरोसे की जमीन मजबूत करनी होगी।

राहुल गांधी के बयान से पंजाब कांग्रेस में हलचल क्या कैप्टन अमरिंदर सिंह की होगी वापसी?

पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी के बीच राहुल गांधी ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को अपना पसंदीदा बीजेपी नेता बताया है। इसके बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी और 2027 विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में उनकी संभावित भूमिका को लेकर सियासी अटकलें तेज हो गई हैं।

पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के अंदर नेताओं में मतभेद सामने आ रहे है। पार्टी दो गुटों में बंट गई है। एक गुट प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और दूसरा गुट पूर्व सीएम और सांसद चरणजीत सिंह चन्नी का है। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐसा बयान दिया है, जिसके बाद प्रदेश कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। राहुल गांधी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर आयोजित 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन के दौरान अपने पसंदीदा बीजेपी नेता के नाम का खुलासा किया। कांग्रेस सांसद ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह को अपना पसंदीदा बीजेपी नेता बताया। इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए पूछे गए सवाल के जवाब में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वह कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ अच्छी तरह घुल-मिल जाते हैं। कांग्रेस की ओर से 'X' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह, निश्चित रूप से। मेरी उनसे अच्छी बनती है। वह कूल हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि उन्हें अमरिंदर सिंह की सैन्य इतिहास पर पकड़ भी पसंद है। उन्होंने कहा, "और... वह सैन्य इतिहास के विशेषज्ञ हैं। वीडियो के अंत में राहुल गांधी ने मजाकिया अंदाज में कहा- हैलो, अंकल अमरिंदर। कैप्टन अमरिंदर सिंह पूर्व सैनिक, राजघराने से ताल्लुक रखने वाले नेता, सैन्य इतिहासकार और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कांग्रेस से अलग होने के बाद 2022 में भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थाम लिया था। 2021 में कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। इसके बाद अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और अपनी नई पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस बनाई। बाद में 2022 में उनकी पार्टी का बीजेपी में विलय हो गया। अमरिंदर सिंह ने कई मौकों पर कहा है कि कांग्रेस द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने का तरीका उन्हें अब भी आहत करता है। हालांकि, अमरिंदर सिंह ने यह भी कहा था कि अगर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी उनसे मदद मांगती हैं तो वह उनकी मदद जरूर करेंगे, लेकिन यह मदद "राजनीतिक नहीं होगी। राहुल गांधी के इस वीडियो के बाद पंजाब में सियासी हलचल तेज हो गई है। अटकलें लगाई जा रही है कि पंजाब कांग्रेस के अंदर जारी गुटबाजी को खत्म करने के लिए अमरिंदर सिंह की वापसी हो सकती है। पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह भी कई बार कह चुके है कि वे कांग्रेस को बहुत मिस करते हैं। उन्होंने बीजेपी के सिस्टम पर भी सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस एक परिवार की तरह है। मैं जब भी फोन करता था, वह मिल लेते थे। लेकिन बीजेपी में यह सिस्टम नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि उनके चेचेरे भाई के निधन पर राहुल गांधी ने शोक संदेश भेजा था लेकिन बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने पंजाब में दो बार विधानसभा चुनाव जीता था। हालांकि 2021 में कैप्टन अमरिंदर और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच मतभेद को लेकर कांग्रेस ने बड़ा फैसला लिया था। पार्टी ने अमरिंदर सिंह को हटाकर दलित नेता चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाया। लेकिन कांग्रेस का यह दांव विधानसभा चुनाव 2022 में उल्टा पड़ गया। बीजेपी की तरफ से किसी ने पूछा तक नहीं।

पंजाब चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज BJP-SAD गठबंधन की अटकलों पर केजरीवाल का तंज

पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) और शिरोमणि अकाली दल (SAD) के बीच संभावित गठबंधन को लेकर सियासी चर्चा को हवा दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और SAD प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के बीच हुई मुलाकात की खबरों के बीच केजरीवाल ने दोनों दलों पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया कि क्या पंजाब में एक बार फिर BJP और अकाली दल साथ आने की तैयारी कर रहे हैं।केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तंज कसते हुए लिखा कि दोनों दलों के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं और क्या दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन होने जा रहा है। उनके इस बयान के बाद पंजाब की राजनीति में गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।हालांकि, BJP लगातार पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की बात कहती रही है। जून में पंजाब भाजपा की बैठक के बाद प्रदेश नेतृत्व ने स्पष्ट किया था कि पार्टी राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। भाजपा नेताओं ने कहा था कि पार्टी का मुख्य एजेंडा पंजाब का विकास है और फिलहाल किसी गठबंधन पर चर्चा नहीं हो रही है। राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा नेतृत्व पंजाब में संगठन को मजबूत करने और राज्य में अपनी सरकार बनाने का लक्ष्य दोहरा चुका है।गौरतलब है कि BJP और SAD लंबे समय तक पंजाब में गठबंधन सहयोगी रहे हैं। हालांकि, 2021 में तीन कृषि कानूनों को लेकर अकाली दल ने NDA से अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद दोनों दलों ने 2022 का विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ा। उस चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटों पर जीत हासिल कर शानदार बहुमत के साथ सरकार बनाई। वहीं SAD को केवल तीन और BJP को दो सीटों पर संतोष करना पड़ा।इधर, कांग्रेस भी पंजाब में BJP और AAP के बीच कथित मिलीभगत का आरोप लगा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सतर्क रहने की अपील की है। ऐसे में 2027 के चुनाव से पहले पंजाब में गठबंधन की राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है।

सुनेत्रा पवार-प्रशांत किशोर मुलाकात पर महायुति में हलचल बावनकुले ने दी गठबंधन में दरार से बचने की नसीहत

महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा पवार को बीजेपी विधायक चंद्रशेखर बावनकुले ने महायुति गठबंधन को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है। प्रदेश सरकार में मंत्री बावनकुले ने कहा कि ऐसा कोई कदम न उठाएं, जिससे गठबंधन में दरार पैदा हो। उन्होंने कहा कि यह NCP का आंतरिक मामला है, लेकिन महायुति गठबंधन का हिस्सा रहते हुए ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए, जिससे सहयोगी दलों के बीच संदेह पैदा हो या किसी पार्टी को नुकसान पहुंचे। बता दें कि मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का यह बयान उस समय सामने आई, जब सुनेत्रा पवार की प्रशांत किशोर से मुलाकात की जानकारी सामने आई थी। दरअसल, हाल ही में बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे घोषित हुए थे। जिसमें प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज की थी। यह सीट बीजेपी का गढ़ मानी जाती थी। मंत्री बावनकुले ने कहा कि सभी को महायुति की आचार संहिता का पालन करना चाहिए। गठबंधन के भीतर किसी तरह की दरार या अविश्वास पैदा करने वाला कोई आचरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सुनेत्रा पवार ने प्रशांत किशोर से किस वजह से मुलाकात

की, इस पर उन्हें कुछ और नहीं कहना है। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि ऐसा कोई व्यवहार नहीं होना चाहिए, जिससे गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच दरार या अविश्वास पैदा हो। सुनेत्रा पवार की NCP महाराष्ट्र में BJP के नेतृत्व वाली महायुति सरकार की सहयोगी है। एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी इस गठबंधन का हिस्सा है। प्रशांत किशोर ने दक्षिण मुंबई स्थित सुनेत्रा पवार के सरकारी आवास देवगिरी में उनसे मुलाकात की। NCP के पदाधिकारी संजय खोडके ने इस मुलाकात की पुष्टि की है। हालांकि, दोनों के बीच हुई बातचीत का कोई विवरण सामने नहीं आया है। बता दें कि यह दूसरी बार है जब प्रशांत किशोर ने सुनेत्रा पवार से मुलाकात की है। इससे पहले भी कुछ महीने पहले दोनों की मुलाकात हुई थी। उस समय उनके बेटे और NCP नेता पार्थ पवार ने कहा था कि प्रशांत किशोर उनके परिवार को लंबे समय से जानते हैं। प्रशांत किशोर ने नरेंद्र मोदी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल समेत कई प्रमुख नेताओं के चुनावी अभियानों की रणनीति तैयार की है।

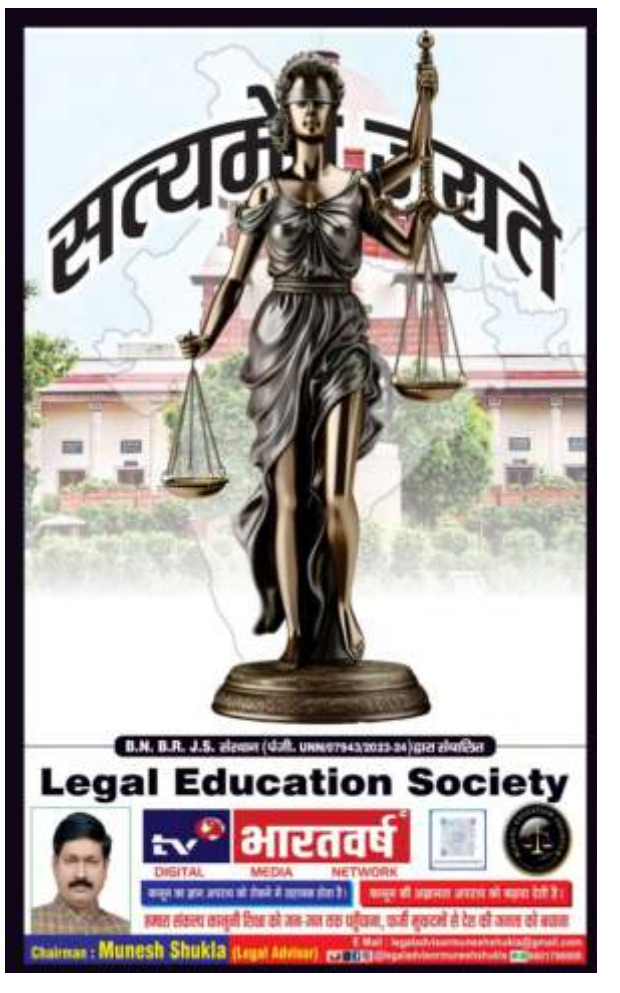

NEET UG 2026 काउंसलिंग शुरू, यूपी में MBBS-BDS एडमिशन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट अनिवार्य

कई राज्यों में 85% स्टेट कोटा MBBS और BDS सीटों पर एडमिशन के लिए काउंसलिंग प्रोसेस आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। यह NEET UG 2026 क्वालिफाइड कैंडिडेट्स के लिए महत्वपूर्ण स्टेप है। कैंडिडेट्स अब तय शेड्यूल के अनुसार ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन पूरा कर सकते हैं और सीट अलॉटमेंट प्रोसेस में हिस्सा ले सकते हैं। इस साल यूपी नीट यूजी काउंसलिंग में सिक्योरिटी डिपॉजिट की शर्त रखी गई है। इसलिए अप्लाई करने से पहले कैंडिडेट्स के लिए एडमिशन के अपडेटेड नियमों को समझना जरूरी है। रजिस्ट्रेशन की डेडलाइन और फीस पेमेंट से लेकर चॉइस फिलिंग और सीट अलॉटमेंट तक का प्रोसेस समझ लें। UP के मेडिकल एजुकेशन और ट्रेनिंग के डायरेक्टर जनरल ने UP NEET UG काउंसलिंग 2026 की तारीखें जारी कर दी हैं। MCC ने राज्यों को 85% स्टेट कोटा सीटों के तहत एडमिशन प्रोसेस शुरू करने का निर्देश दिया था। MBBS और BDS एडमिशन प्रोसेस के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 7 अगस्त से शुरू होगा और आखिरी तारीख 12 अगस्त है। इस दौरान कैंडिडेट्स को रजिस्ट्रेशन पूरा करना होगा और सिक्योरिटी फीस जमा करनी होगी। UP NEET UG काउंसलिंग 2026 रजिस्ट्रेशन ₹2000 निर्धारित की गई है।

सरकारी MBBS और BDS कॉलेजों के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट ₹30,000 देना होगा।

प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट ₹1,00,000 है।

प्राइवेट डेंटल कॉलेजों के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट ₹2,00,000 निर्धारित किया गया है।

अगर कैंडिडेट को एडमिशन नहीं मिलता है तो सिक्योरिटी डिपॉजिट वापस कर दिया जाएगा। साथ ही, जो कैंडिडेट्स अलॉट किए गए कॉलेज में सफलतापूर्वक एडमिशन ले लेंगे, उन्हें भी सिक्योरिटी डिपॉजिट वापस कर दिया जाएगा। इसलिए बैंक अकाउंट की सही जानकारी भरना जरूरी है। अलॉट किए गए कैंडिडेट्स के रिपोर्ट न करने की वजह से BDS या MBBS की सीटें बर्बाद न हों, इसके लिए UP सरकार ने सिक्योरिटी डिपॉजिट का नियम लागू किया है। इस साल, जो उम्मीदवार 'फ्री एग्जिट' विकल्प चुनते हैं, वे काउंसलिंग के दूसरे और तीसरे राउंड में शामिल हो सकते हैं। यह इस एकेडमिक सेशन के लिए लागू की गई एक नई पॉलिसी है। पहले, एग्जिट विकल्प चुनने वाले उम्मीदवारों को काउंसलिंग के अगले राउंड में शामिल होने से रोक दिया जाता था। 15% सीटों के लिए ऑल इंडिया कोटा (AIQ) के लिए भी MCC NEET UG काउंसलिंग 2026 चल रही है और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूरी करने की आखिरी तारीख 13 अगस्त है। सीट अलॉटमेंट का रिजल्ट 17 अगस्त को जारी किया जाएगा। यूपी के अलावा भी कई राज्यों में मेडिकल एडमिशन के लिए स्टेट कोटा काउंसलिंग शुरू हो चुकी है।

अमेरिका में इमिग्रेशन से जुड़े इतने ज्यादा बदलाव हो रहे हैं कि कई लोग इसे लेकर कंफ्यूज हो रहे

अमेरिका में इमिग्रेशन से जुड़े इतने ज्यादा बदलाव हो रहे हैं कि कई लोग इसे लेकर कंफ्यूज हो जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब USCIS ने एक नए बदलाव का ऐलान किया है, जिसके बारे में अमेरिका में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट-वर्कर को मालूम होना चाहिए। अमेरिका में पढ़ाई या नौकरी कर रहे भारतीयों के लिए जरूरी खबर है। अगर उन्हें वीजा एक्सटेंशन लेने की जरूरत पड़ती है या फिर वे ग्रीन कार्ड हासिल करना चाहते हैं, तो उन्हें नए इमिग्रेशन नियमों का ख्याल रखना पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) ने इमिग्रेशन से जुड़े आवेदन करने के दौरान पालन किए जाने वाले नियमों को बदल दिया है, जिसका सीधा असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। दरअसल, U S C I S ने अधिकारियों को दोबारा अधिकार दे दिया है कि अगर आवेदक (फिर वो स्टूडेंट हो या वर्कर) अधूरा एप्लिकेशन जमा करता है या जिस वीजा या ग्रीन कार्ड के लिए अप्लाई कर रहा है, उसके लिए वह एलिजिबिलिटी साबित करने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स जमा नहीं कर पाता है, तो उसे इमिग्रेशन से जुड़ा कोई भी लाभ नहीं दिया जाए। USCIS अधिकारी उसके एप्लिकेशन को सिरे से खारिज कर सकते हैं और उनके पास ऐसा करने का अधिकार होगा। अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी ने कहा, 'ये साबित करने की जिम्मेदारी आवेदक की है कि वह एप्लिकेशन जमा करते समय मांग गए लाभ (वीजा या ग्रीन काड) के लिए एलिजिबिल है और फैसला (वीजा या ग्रीन कार्ड मिलने तक) होने तक वह एलिजिबिल बना रहता है।' कुल मिलाकर अब आवेदक को इमिग्रेशन से जुड़ी कोई भी सुविधा लेने के दौरान सभी जरूरी डॉक्यूमेंट एक बार में ही जमा करना होंगे।

Korea Masters Badminton: अश्मिता चालिहा ने हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से पराजित किया

हमजा नजर को वीजा आवेदन के दौरान सही और पूरी जानकारी नहीं देने का दोषी पाया गया

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (P C B) ने युवा ऑलराउंडर हमजा नजर के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए उन्हें दो साल के लिए बैन कर दिया है। इसके अलावा हमजा पर 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। हमजा पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाया गया है। यह कार्रवाई वीजा आवेदन प्रक्रिया के दौरान भ्रामक और अधूरी जानकारी देने के मामले में की गई है। PCB ने फैसला सुनाते हुए घोषणा की कि आंतरिक जांच में पाया गया है कि हमजा नजर ने वीजा आवेदन के दौरान सही और पूरी जानकारी नहीं दी है। खिलाड़ी ने आवेदन में भ्रामक विवरण दिए और कुछ अहम तथ्यों को छिपाया। जिसके बाद उन पर कड़ा एक्शन लेते हुए उन्हें बैन किया गया है। हमजा नजर वेस्टइंडीज दौरे के लिए चुने जाने वाले थे, लेकिन वीजा से जुड़े विवाद के कारण उनका चयन नहीं हो सका। वे पिछले कुछ समय से पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। हमजा पर आरोप लगने के बाद पीबीएस ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने हमजा को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया। इसके बाद कमेटी ने उपलब्ध सबूतों की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट बोर्ड को सौंपी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। 27 वर्षीय हमजा नजर अभी पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय डेब्यू नहीं कर पाए हैं। उन्होंने 16 फर्स्ट क्लास मैचों की 27 पारियों में 748 रन बनाए हैं और 26 विकेट लिए हैं। फर्स्ट क्लास में उनके नाम 1 शतक और 5 अर्धशतक हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में उन्होंने 15 मैच खेले हैं, जिनकी 13 पारियों में उन्होंने 192 रन बनाए हैं। लिस्ट ए में उनके नाम 18 विकेट हैं। टी20 में हमजा ने 10 मैच खेले हैं, जिनमें 65 रन बनाए हैं और 5 विकेट लिए हैं।

संन्यास के बाद नई पारी विदेशी टी20 लीग में नजर आएंगे अजिंक्य रहाणे

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे जिन्होंने 30 जुलाई की सुबह इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने का ऐलान किया था, अब वह अपने करियर में पहली बार किसी विदेशी टी20 लीग में खेलते हुए नजर आने वाले हैं। 26 अगस्त से शुरू होने वाली यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के पहले सीजन में अजिंक्य रहाणे एम्स्टर्डम फ्लेम्स के स्क्वाड का हिस्सा बने हैं, जिसमें उनको मार्की खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। रहाणे की ETPL से जुड़ने की खबर का आधिकारिक ऐलान 7 अगस्त को किया गया। रहाणे जिनकी गिनती टेस्ट क्रिकेट के बेहतरीन बल्लेबाजों में की जाती है, उनके पास टी20 क्रिकेट का भी काफी अनुभव हासिल है जिसमें उन्होंने 308 टी20 मैचों में खेलते हुए 30.29 के औसत से 7968 रन बनाए हैं और इस दौरान उनके बल्ले से 56 अर्धशतकीय और 2 शतकीय पारियां भी देखने को मिली हैं। अजिंक्य रहाणे ने रिटायरमेंट का ऐलान करने के बाद अब ETPL में खेलने के अपने फैसले को लेकर कहा कि क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि प्लेयर्स की यह जिम्मेदारी रहती है कि वह भी इस खेल को कुछ देकर जाएं। यूरोप में क्रिकेट एक रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहा है यहां पर क्रिकेट को लेकर काफी कुछ संभावनाएं मौजूद हैं। एम्स्टर्डम फ्लेम्स की जिस बात ने मुझे प्रभावित किया वह यह कि मैदान के अंदर और बाहर कुछ नया करने की और मैं मैनेजमेंट के साथ मिलकर एक सफल फ्रेंचाइजी बनाने के साथ-साथ अगली पीढ़ी को प्रेरित करने और पूरे यूरोप में क्रिकेट के भविष्य को मजबूत करने के लिए काफी उत्साहित हूं।

मोहम्मद अशफाक ने तोड़ा अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड,सेमीफाइनल में बनाई जगह

मोहम्मद अशफाक ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि अमानत कंबोज ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन महिलाओं की चक्का फेंक (डिस्कस थ्रो) के फाइनल में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ छठा स्थान हासिल किया। 19 वर्षीय अशफाक ने पहले दौर की हीट पांच में 45.81 सेकंड का समय लिया। वह अपनी हीट में अमेरिका के जेडन डी लियोन (45.63 सेकंड) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अशफाक ने इसी वर्ष अप्रैल में बनाए गए अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 46.05 सेकंड को बेहतर किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी पीयूष राज हीट छह में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें और कुल मिलाकर 35वें स्थान पर रहने के बाद आगे नहीं बढ़ पाए। महिलाओं के चक्का फेंक के फाइनल में 18 वर्षीय कंबोज ने अपने पहले प्रयास में 53.24 मीटर का थ्रो किया जिससे वह छठे स्थान पर रही। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चीन की सु यिक्सिन ने 61.06 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमेरिका की जैसलीन मैसी (58.41 मीटर) और साइप्रस की मरीना हाजिकोस्टा (54.88 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। पुरुषों की ऊंची कूद में बसंत ने क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप ए में2.14 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद के साथ पांचवां और कुल मिलाकर 11वां स्थान हासिल करने के बाद फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी के अंबरीश प्रतियोगिता से बाहर हो गए। वह क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप बी में केवल 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करके 12वें और कुल मिलाकर 24वें स्थान पर रहे। वह अपने तीनों प्रयास में 2.10 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। इस बीच महिलाओं के गोला फेंक (शॉट पुट) में अंशु अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में 15.24 मीटर के थ्रो के साथ नौवें और कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं।

सफाई कर्मचारियों ने 6 टन कचरे में ढूंढ़कर लौटाया

11 करोड़ की लॉटरी का टिकट कूड़े में फेंका

कई बार इंसान की एक छोटी-सी गलती उसे करोड़ों रुपये का नुकसान करा सकती है. लेकिन इटली में रहने वाली एक महिला के साथ जो हुआ, उसे लोग किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं. महिला ने करीब 11 करोड़ रुपये (10 लाख यूरो) की इनामी लॉटरी जीत ली थी, लेकिन उसे इसका पता ही नहीं चला. उसने टिकट को बेकार समझकर कूड़ेदान में फेंक दिया. इसके बाद सफाई कर्मचारियों ने जो किया, उसकी हर तरफ तारीफ हो रही है. रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने एक लॉटरी टिकट खरीदा था. कुछ समय बाद वह टिकट को जांचने के लिए एक सेल्फ-सर्विस मशीन के पास पहुंची. लेकिन मशीन में तकनीकी गड़बड़ी के कारण स्क्रीन पर ऐसा

मैसेज आया, जिससे महिला को लगा कि उसके टिकट पर कोई इनाम नहीं निकला है. महिला ने बिना दोबारा जांच किए टिकट को बेकार समझा और पास के कूड़ेदान में फेंक दिया. उसे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि उसी टिकट पर करोड़ों रुपये का इनाम निकला है. कुछ देर बाद महिला ने यह बात अपने परिवार को बताई. परिवार के एक सदस्य को शक हुआ कि शायद टिकट की सही तरीके से जांच नहीं हुई है. जब दोबारा जानकारी ली गई, तब पता चला कि टिकट असल में विजेता टिकट था और उस पर 10 लाख यूरो, यानी भारतीय मुद्रा में लगभग 11 करोड़ रुपये का इनाम निकला है. यह सुनते ही महिला के पैरों तले जमीन खिसक गई.

टिकट मिलते ही रो पड़ी महिला

जब अधिकारियों ने महिला को बताया कि उसका टिकट मिल गया है, तो वह खुशी से भावुक हो गई. रिपोर्ट के अनुसार, महिला की आंखों में आंसू आ गए.

वायरल हो रहा ये यूनिक बाजार

कोबरा के पकौड़े बना कर खा जाते हैं लोग

चिकन और मटन के पकौड़े, टिक्का, चॉप, कबाब बनते तो बहुत देखे होंगे. भारत के अलावा विदेशों में भी लोग इनके दीवाने हैं. लेकिन इसी धरती पर ऐसी भी जगहें हैं, जहां लोग कोबरा के पकौड़े, टिक्के और समोसे बनाकर खा जाते हैं. एक ऐसा ही यूनिक बाजार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इंटरनेट पर जो वीडियो वायरल हो रहा है. उसमें कोबरा के मांस से बने रेसिपी की दुकानों की झलक दिखाई गई है. वहां के लोग कोबरा से बने टिक्के, पकौड़े और तरह की डिश काफी ज्यादा पसंद करते हैं. दरअसल, यहां इंडोनेशिया की बात हो रही है.

ऐसा क्यों कर रहे लोग?

चीन में बढ़ा 'चेहरा किराए पर' देने का ट्रेंड

चीन में लोग AI कंपनियों को अपना चेहरा और आवाज़ किराए पर देकर हर महीने 1,400 से 67,000 रुपये तक कमा रहे हैं. कंपनियां इन डिजिटल चेहरों का इस्तेमाल विज्ञापनों, लाइव स्ट्रीमिंग और सोशल मीडिया कंटेंट में कर रही हैं.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल ने कमाई के नए रास्ते खोल दिए हैं. अब चीन में कई लोग अपना चेहरा और आवाज एआई कंपनियों को किराए पर देकर अच्छी कमाई कर रहे हैं. इसके बदले उन्हें हर महीने करीब 1,400 रुपये से लेकर 67,000 रुपये तक मिल रहे हैं. हालांकि, इस आसान कमाई के पीछे कई ऐसे खतरे भी छिपे हैं जो भविष्य में बड़ी परेशानी का कारण बन सकते हैं.

दरअसल, चीन में कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे हैं जहां लोग अपनी तस्वीरें, वीडियो और आवाज़ अपलोड करके एआई कंपनियों को इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं. इसके बाद एआई तकनीक उनकी शक्ल और आवाज की हूबहू डिजिटल कॉपी तैयार कर लेती है. इस डिजिटल चेहरे का इस्तेमाल विज्ञापनों, सोशल मीडिया वीडियो, लाइव स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन प्रमोशन और दूसरे डिजिटल कंटेंट बनाने में किया जाता है. जो लोग अपना चेहरा AI को किराए पर देते हैं, उन्हें एक तय रकम दी जाती है. कुछ लोगों को एक बार पेमेंट मिलता है, जबकि कई मामलों में हर महीने पैसे दिए जाते हैं. कमाई इस बात पर निर्भर करती है कि उनका चेहरा कितनी बार और किस तरह के कंटेंट में इस्तेमाल किया जा रहा है.

क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर कोई व्यक्ति एआई के लिए अपना चेहरा या आवाज़ देने का फैसला करता है, तो उसे पहले कंपनी की विश्वसनीयता जरूर जांचनी चाहिए. किसी भी डॉक्यूमेंट या एग्रीमेंट को बिना पढ़े साइन नहीं करना चाहिए. यह भी समझना जरूरी है कि कंपनी आपके डेटा का इस्तेमाल कितने समय तक और किन-किन उद्देश्यों के लिए करेगी. साथ ही यह भी देखना चाहिए कि जरूरत पड़ने पर क्या आप अपनी अनुमति वापस ले सकते हैं या नहीं. यदि इन बातों का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तो ऐसे ऑफर से दूरी बनाना ही बेहतर है.

महिला ने रेपिडो पर किया 20 लाख का केस!

बेंगलुरु में रैपिडो बाइक टैक्सी से ऑफिस जा रही एक महिला की जिंदगी कुछ ही मिनटों में बदल गई. महिला का आरोप है कि बाइक चालक की लापरवाही की वजह से उसका ग एक्सीडेंट हो गया. इस वजह से उसे कई बड़ी सर्जरी करानी पड़ी. इलाज पर 20 लाख रुपये से ज्यादा खर्च हो गए. अब महिला ने रैपिडो पर साथ न देने का आरोप लगाते हुए कंज्यूमर कोर्ट जाने का फैसला किया है.

विस्मया मोहनलाल की 'थुडक्कम' ने मचाई हलचल डेब्यू पर मिला दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स

मलयालम सिनेमा के चर्चित निर्देशक जूड एंथनी जोसेफ की नई सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म 'थुडक्कम' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्सुकता थी और इसकी सबसे बड़ी वजह सुपरस्टार मोहनलाल की बेटी विस्मया मोहनलाल का बड़े पर्दे पर अभिनय की शुरुआत करना है। फिल्म में विस्मया एक अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर दर्शकों की शुरुआती प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं, जिनमें फिल्म और खासकर विस्मया के अभिनय की जमकर तारीफ की जा रही है।फिल्म देखकर थिएटर से बाहर निकले दर्शकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने अनुभव साझा किए। शुरुआती रिव्यूज में विस्मया के अभिनय और डबिंग को खास तौर पर सराहा गया है। कई दर्शकों का कहना है कि उन्होंने अपनी पहली ही फिल्म में भूमिका को काफी सहजता और परिपक्वता के साथ निभाया है। फिल्म के बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए जेक्स बिजॉय और निर्देशन के लिए जूड एंथनी जोसेफ की भी प्रशंसा हो रही है।फिल्म में अभिनेता आशीष जो एंटनी के अभिनय को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया है। कई प्रतिक्रियाओं में उनके शुरुआती दृश्यों की खास तारीफ की गई है। दर्शकों के मुताबिक, आशीष का किरदार फिल्म में रोमांच और रहस्य को बढ़ाने का काम करता है। हालांकि, कुछ दर्शकों को संवाद सामान्य लगे, लेकिन फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले को लेकर प्रतिक्रिया काफी सकारात्मक रही है।'थुडक्कम' की पटकथा और इंटरवल से पहले आने वाला ट्विस्ट भी दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। शुरुआती दौर में फिल्म की गति थोड़ी धीमी बताई जा रही है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ सस्पेंस मजबूत होता जाता है और फिल्म दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहती है।फिल्म में निर्देशक जूड एंथनी जोसेफ ने मोहनलाल को खास अंदाज में ट्रिब्यूट भी दिया है। इसे निर्देशक की निजी भावनाओं से जुड़ा बताया जा रहा है। वहीं, बहन विस्मया की पहली फिल्म को सपोर्ट करने के लिए अभिनेता प्रणव मोहनलाल भी रिलीज के पहले दिन थिएटर पहुंचे। फिलहाल देखते हुए अच्छी लती खाई रही शुरुआती प्रतिक्रियाओं को 'थुडक्कम' को दर्शकों से शुरुआत मि दि दे है।

7000 करोड़ के विज्ञापन खर्च पर अखिलेश का हमला, बोले- छवि चमकाने में उड़ाया जनता का पैसा

अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर 7000 करोड़ रुपये विज्ञापनों में खर्च कर छवि चमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने शिक्षा, बेरोजगारी और एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता का मुद्दा उठाते हुए सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े किए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञापन खर्च को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार ने जनता की गाढ़ी कमाई के करीब 7000 करोड़ रुपये सिर्फ अपनी छवि चमकाने में उड़ा दिए। अखिलेश ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तंज कसते हुए लिखा, 'मुख्यमंत्री जी ने 7000 करोड़ रुपये का कॉस्मेटिक फेशियल करवाकर एक नया 'विश्व रिकॉर्ड' कायम कर दिया है।' अखिलेश यादव ने आगे लिखा कि मुख्यमंत्री ने अपनी झूठी छवि को सच्ची दिखाने के लिए हजारों करोड़ रुपये पानी की तरह बहा दिए हैं। उन्होंने इस खर्च को प्रदेश के लिए निंदनीय बताया और कहा कि उत्तर प्रदेश आज भी गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, एमएसपी, बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से बुरी तरह जूझ रहा है। सपा प्रमुख ने दावा किया कि यदि इतनी ही बड़ी रकम शिक्षा के क्षेत्र में लगाई जाती तो केजी से लेकर पीजी और रिसर्च तक की 2-3 विश्वस्तरीय यूनिवर्सिटी आसानी से बनाई जा सकती थीं जिससे प्रदेश के युवाओं का भविष्य संवर जाता। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर शिक्षा और युवाओं को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने नियो इंडिया का जिक्र करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश तरक्की और खुशहाली के नए रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा। विज्ञापन के मुद्दे के अलावा अखिलेश यादव ने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता को लेकर भी योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सड़क धंसने और मरम्मत के दौरान पंखों से सड़क सुखाने का एक पोस्ट भी शेयर किया है। पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि, 'यह भाजपाई तरक्की की नई हवा।' अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि जिस एक्सप्रेसवे का कुछ दिन पहले ही उद्घाटन हुआ हो उसे इतनी जल्दी बार-बार मरम्मत की जरूरत पड़ना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर बेहद गंभीर सवाल खड़े करता है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि एक्सप्रेसवे के मरम्मत वाले हिस्से को जल्दी सुखाने के लिए वहां पंखों का इस्तेमाल किया जा रहा है जो इस पूरी स्थिति को और भी ज्यादा हास्यास्पद बना देता है। उन्होंने सरकार से सीधा सवाल किया कि जब उद्घाटन के महज दो से तीन सप्ताह के भीतर ही एक्सप्रेसवे कई बार मरम्मत मांग रहा है तो उस पर तेज रफ्तार से सफर करने का जोखिम भला कौन इंसान उठाएगा।

बुद्धेश्वर मंदिर के सीताकुंड में सैकड़ों मछलियां मृत मिलीं

मोहान रोड स्थित ऐतिहासिक बुद्धेश्वर मंदिर के सीताकुंड में शुक्रवार सुबह सैकड़ों मछलियां मृत पाई गईं। इस घटना से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। सुबह करीब 11 बजे तालाब में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां पानी में उतराती देखी गईं।

सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने मृत मछलियों को तालाब से बाहर निकाला। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कराने और तालाब की तत्काल सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सीताकुंड की लंबे समय से सफाई नहीं हुई है, जिसके कारण तालाब में गंदगी जमा हो गई है। उनका मानना है कि इस गंदगी से पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा असर जलीय जीवों पर पड़ रहा है। बुद्धेश्वर विकास महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि तालाब में अत्यधिक गंदगी और ऑक्सीजन की कमी मछलियों की मौत का मुख्य कारण है। उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर में चढ़ाए जाने वाले जल, दही, शहद और मंदिर की धुलाई का पानी सीधे तालाब में जाता है। आसपास की गंदगी भी बहकर सीताकुंड में पहुंचती है, जिससे कई वर्षों से सफाई न होने के कारण स्थिति लगातार बिगड़ रही है। महासभा ने प्रशासन से सीताकुंड की तत्काल सफाई कराने, पानी की गुणवत्ता की जांच करने और मछलियों की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने की मांग की है। उनका उद्देश्य है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मधुमिता हत्याकांड फिर चर्चा में, अमरमणि की राजनीति में वापसी पर उठे सवाल

राष्ट्रीय कवयित्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड के मुख्य दोषी पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है। इससे मधुमिता शुक्ला और अमरमणि के बेटे अमनमणि की पत्नी सारा सिंह का परिवार डरा हुआ है। मधुमिता की बहन निधि शुक्ला और सारा सिंह की मां सीमा सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय और सुरक्षा की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि नौतनवा विधानसभा क्षेत्र में अमरमणि त्रिपाठी और अमनमणि त्रिपाठी के समर्थन राजनीतिक कार्यक्रम हुआ। उसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अमरमणि-अमनमणि जिंदाबाद के नारे लगाए गए। अमरमणि की भाजपा में बढ़ती सक्रियता से वे लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस दौरान निधि शुक्ला ने बताया कि मधुमिता हत्याकांड के मामले पर लिखी उनकी किताब 'मेरी बहन का कत्ल' अगले महीने प्रकाशित होगी। निधि शुक्ला ने कहा कि उनका मानना है कि अमरमणि त्रिपाठी जितने समय तक जेल में रहा, उसमें मीडिया की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने कहा कि 2003 से शुरू हुई इस लड़ाई में उनका परिवार लगातार भय और दबाव के बीच न्याय के लिए संघर्ष करता रहा। कई बार डर और निराशा के बावजूद मीडिया के सहयोग से उन्होंने यह लड़ाई जारी रखी। निधि शुक्ला ने बताया कि मधुमिता हत्याकांड से जुड़े ऑन रिकॉर्ड और ऑफ रिकॉर्ड तथ्यों को उन्होंने एक किताब में संकलित किया है। 'मेरी बहन का कत्ल' शीर्षक से लिखी गई यह पुस्तक अगले महीने प्रकाशित और विमोचित की जाएगी। उनका कहना है कि इसमें मामले से जुड़े कई ऐसे तथ्य शामिल हैं, जो अब तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। निधि शुक्ला ने आरोप लगाया कि नौतनवा क्षेत्र में अमरमणि त्रिपाठी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के समर्थन में लगाए गए नारों के बाद उनका परिवार फिर भय के माहौल में है। उन्होंने कहा कि यदि अमरमणि को फिर राजनीतिक संरक्षण मिलता है या वह प्रभावशाली स्थिति में आता है तो उनके परिवार की सुरक्षा पर खतरा बढ़ सकता है।

बारिश के बाद लखनऊ में बिजली संकट, कई इलाकों में घंटों गुल रही सप्लाई

लखनऊ में गुरुवार को हुई बारिश के बाद कई इलाकों में बिजली संकट देखने को मिला। शहरी और ग्रामीण इलाकों में बिजली व्यवस्था प्रभावित रही। बंथरा-बिजनौर मार्ग पर मिट्टी धंसने से 11 हजार केवि लाइन के 7 खंभे गिर गए। इससे औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े वेयर हाउसों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बंथरा फीडर से जुड़े इलाकों में दिनभर बिजली की आवाजाही बनी रही। बिजली आपूर्ति संकट से उद्योगों के साथ आम लोगों का काम भी प्रभावित हुआ। बंथरा-बिजनौर मार्ग पर मां जसजीत कौर आश्रम के पास बुधवार रात बारिश के बाद मिट्टी धंसने से 7 खंभे गिरे, जिसके बाद सूचना पर विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत शुरू की। नादरगंज उपखंड अधिकारी आरसी यादव ने बताया कि लाइन को ठीक करने का काम तेजी से किया गया। जिसके बाद देर शाम तक शाम तक आपूर्ति बहाल कर ली है। सुबह करीब 6 बजे सूखा शीशम का पेड़ हाईटेंशन लाइन पर गिर गया। इसके बाद समेसी विद्युत उपकेंद्र के बहरौली फीडर से जुड़े 4 गांवों में भी बिजली संकट रहा। इससे तार टूटने के कारण फीडर में ब्रेकडाउन हो गया। बजगहिया, मुकुंदखेड़ा, सिरौना और मिहीलाल खेड़ा में करीब 6 घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। इस दौरान पानी और घरेलू कामकाज प्रभावित हुआ। बिजली कर्मचारियों ने पेड़ हटाकर तार जोड़े। अवर अभियंता आशीष कुमार ने बताया कि फॉल्ट की तलाश के बाद बिजली कर्मचारी मौके पर पहुंचे। मरम्मत कार्य के दौरान बजगहिया क्षेत्र की आपूर्ति बंद रखी गई, जबकि अन्य क्षेत्रों की बिजली वैकल्पिक व्यवस्था से चालू रखी गई। करीब 10 बजे कर्मचारियों के पहुंचने पर पेड़ काटकर हटाने और टूटी लाइन के तारों को जोड़ने के बाद दोपहर 12 बजे आपूर्ति शुरू हो गई।

आरक्षण पर भागवत के बयान से गरमाई सियासत, चंद्रशेखर आजाद का पलटवार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा आरक्षण को लेकर दिए गए बयान के बाद देश की राजनीति में एक बार फिर गर्माहट आ गई है। मोहन भागवत ने कहा था कि जब तक समाज में असमानता और भेदभाव रहेगा, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिन वर्गों को आरक्षण का पर्याप्त लाभ मिल चुका है, उन्हें अब उदारता दिखाते हुए स्वेच्छा से इसे छोड़ने पर विचार करना चाहिए। मोहन भागवत के इस बयान पर नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चंद्रशेखर ने पलटवार करते हुए कहा कि आरएसएस प्रमुख को यह सलाह आम जनता या वंचित समाज को देने के बजाय केंद्र सरकार को देनी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह तत्काल प्रभाव से देश में जाति आधारित जनगणना कराए और उसके आर्थिक आंकड़े सार्वजनिक करे। उन्होंने कहा है कि आरक्षण से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरक्षण हमारी खैरात नहीं बल्कि अधिकार है।

लखनऊ नगर निगम में जनता का गुस्सा, गाय, आवास और गंदे पानी पर हंगामा

लखनऊ नगर निगम में शुक्रवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें लोगों ने अधिकारियों के सामने कई गंभीर समस्याएं रखीं। निशातगंज की भुइंयन देवी गोशाला से 9 गायों को जबरन घसीटकर ले जाने का आरोप लगाया गया। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2016 में आवास आवंटित होने के बावजूद 10 साल बाद भी घर नहीं मिलने की शिकायत सामने आई। चौक में गंदे पानी की समस्या और बिजली का 300 रुपए से बढ़कर 2300 रुपए बिल आने की शिकायत भी लोगों ने दर्ज कराई। मेयर सुषमा खर्कवाल ने लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। पंडित शर्मिला महाराज ने बताया कि भुइंयन देवी गोशाला, निशातगंज से 9 गाय को घसीट कर लेकर गए हैं। इसमें बछड़ों को छोड़ दिया गया है। अगर उनकी मौत होती है तो इसके जिम्मेदार नगर निगम के अधिकारी होंगे। अगर इस तरह कार्रवाई हो रही है तो डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और पार्षदों के यहां पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। जहां पर 30-30 गाय रह रही हैं। आरोप लगाया कि नगर निगम टीम ने कार्रवाई के दौरान लोगों से अभद्रता की। उनका कहना है कि ताला तोड़कर डकैती डाली गई है। पूनम

गौड़ ने मेयर सुषमा खर्कवाल को शिकायत देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2016 में उन्हें आवास लॉटरी के माध्यम से मिला है, लेकिन 10 साल 20 जाने के बाद भी आज तक आवास नहीं मिला। आप है जब पता कि करते हैं तो बताया जाता है कि आवास वृंदावन या अवध विहार योजना में शिफ्ट कर दिया गया है। कृष्ण मोहन रावत बंग्ला बाजार में रहते हैं। उनका कहना है कि मेरे मकान को अवैध तरीके से तीन बार बेच दिया गया है। 420 के तीन मुकदमा आरोपी के खिलाफ दर्ज है। हम लोग दीवानी जीत चुके हैं। फिर भी हमारी पत्नी का नाम नहीं चढ़ रहा है। अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि चौक में रहते हैं। वहां पर नाली का पानी मिक्स हो जाता है। इसकी व्यवस्था खराब हो रही है। कई बार शिकायत की है। आज मेयर ने आश्वासन दिया है। कटारी टोला, सोंधी टोला के 30 हजार आबादी को समस्या हो गई है। पार्षद अनुराग मिश्रा ने भी इसके लिए पहल की है, लेकिन काम हो जाए।

उन्नाव में डीएम घनश्याम मीणा ने परियर गंगा घाट और जानकी कुंड का किया निरीक्षण

उन्नाव के जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के साथ परियर गंगा घाट और जानकी कुंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य संभावित बाढ़ की स्थिति और आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेना था। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। परियर गंगा घाट पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर राजेश विश्वकर्मा से बाढ़ की स्थिति तथा राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाढ़ से निपटने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पहले से पूरे रखे जाएं, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल राहत मिल सके। साथ ही अधिकारियों को बाढ़ संभावित क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा को देखते हुए गंगा घाट पर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि स्नान, ध्यान और पूजन-अर्चन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। घाटों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी कमी को तत्काल दूर किया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने जानकी कुंड स्थित बाढ़ शरणालय का निरीक्षण किया, जहां संभावित बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने शरणालय में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उपजिलाधिकारी को निर्देश दिए कि शरणालय में सभी सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावित ग्रामीणों के साथ-साथ उनके पशुओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। शरणालय में पशुओं के लिए पर्याप्त भूसा और चारे का प्रबंध रखा जाए, ताकि आपदा के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियां समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड, क्षेत्राधिकारी सफीपुर दीपक यादव, उपजिलाधिकारी सदर राजेश विश्वकर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नीम का पेड़ काटने की रंजिश में चाचा पर फायरिंग, छर्रे लगने से घायल

फतेहपुर चौरासी। नीम का पेड़ काटने की रंजिश में बुधवार की रात रिश्ते के भतीजे ने चाचा पर फायर कर दिया। छर्रे बायें हाथ के कंधे और कोहनी में छूते हुए निकलने से वह घायल हो गए। उनको सीएचसी लाया गया। यहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना पर एएसपी दक्षिणी ने फील्ड यूनिट टीम के साथ जांच की। थाना क्षेत्र के पपरिया गांव निवासी रज्जनलाल (50) ने पुलिस को बताया कि दो अगस्त को नीम के पेड़ काटने पर चचेरे भतीजे राहुल यादव से विवाद हो गया था। उसी रंजिश में बुधवार की रात 10 बजे जब लघुशंका करने के लिए घर से बाहर निकले तो पहले से घात लगाए राहुल ने जान से मारने के लिए तमंचे से फायर कर दिया। छर्रे बाएं हाथ के कंधे और कोहनी को छूते हुए निकल गए। फायर की आवाज सुन परिजनों की नींद खुल गई। परिजन ने ही सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गोली मारने की सूचना पर एएसपी दक्षिणी शैलेंद्रलाल ने फील्ड यूनिट टीम के साथ पहुंचकर जांच की। थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि आपसी विवाद में गोली चली है। पीड़ित का इलाज चल रहा है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी भतीजे की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्नाव में 10 अगस्त से शुरू होगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान

उन्नाव में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान का अगस्त चरण 10 अगस्त से शुरू होगा। इस दौरान एक से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी गई। छूटे हुए बच्चों के लिए 14 अगस्त को मॉप-अप राउंड चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार शर्मा ने बताया कि यह अभियान प्रतिवर्ष फरवरी और अगस्त में छह माह के अंतराल पर चलाया जाता है। दवा वितरण का कार्य विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर शिक्षकों तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा। इस वर्ष अभियान का औपचारिक शुभारंभ 10 अगस्त को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मोती नगर में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा करेंगे। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. जेआर सिंह के अनुसार, जिले में कुल 13,00,360 बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 4,529 स्कूलों और 3,352 आंगनवाड़ी केंद्रों को अभियान से जोड़ा गया है। बच्चों को शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की देखरेख में निर्धारित मात्रा में दवा दी जाएगी। दवा की खुराक बच्चों की उम्र के अनुसार तय की गई है। एक से दो वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल 400 मिलीग्राम की आधी गोली पीसकर दो चम्मचों के बीच दी जाएगी। दो से तीन वर्ष तक के बच्चों को एक गोली पीसकर दी जाएगी, जबकि तीन से 19 वर्ष तक के बच्चों को पूरी गोली चबाकर खिलाई जाएगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र सिंह ने कृमि संक्रमण के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एल्बेंडाजोल के सेवन से बच्चों और किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और एनीमिया (खून की कमी) की स्थिति में भी लाभ मिलता है।

उन्नाव से 40-50 युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रयागराज होंगे रवाना

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को प्रयागराज पहुंचेंगे। यहां वह 'छात्रों की गूंज' संवाद कार्यक्रम में छात्रों और युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम में पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इसकी जानकारी शुक्रवार को कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में दी गई। कांग्रेस नेता तनमन्य श्रीवास्तव ने बताया कि राहुल गांधी लगातार युवाओं और छात्रों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। इसी क्रम में वह शनिवार शाम करीब 5 बजे प्रयागराज पहुंचेंगे और संवाद कार्यक्रम में छात्रों के सवाल सुनकर उनसे सीधे बातचीत करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की समस्याओं को सीधे समझना और उनके मुद्दों पर खुलकर चर्चा करना है। संवाद के दौरान छात्रों को पेपर लीक, भ्रष्टाचार, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य समसामयिक विषयों पर अपने सवाल रखने का अवसर मिलेगा। तनमन्य श्रीवास्तव ने बताया कि उन्नाव से करीब 40 से 50 युवा कांग्रेस कार्यकर्ता और छात्र इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रयागराज जाएंगे। वे संवाद में भाग लेकर राहुल गांधी के सामने अपने सवाल रखेंगे और उनके विचार भी सुनेंगे। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मौजूदा समय में रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और बार-बार सामने आ रहे पेपर लीक जैसे मुद्दे युवाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे में राहुल गांधी का छात्रों के साथ सीधा संवाद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस की ओर से कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को प्रयागराज में आयोजित होने वाले इस संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं के शामिल होने की संभावना है।

उन्नाव में घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा चोरी, घटना CCTV में कैद

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा चोरी हो गया। ब्रह्मनगर मोहल्ले में हुई यह वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। ब्रह्मनगर निवासी प्रमोद राजपूत किराए पर ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने बताया कि रोज की तरह उन्होंने ई-रिक्शा घर के बाहर खड़ा किया था। देर रात जब वह काम पर जाने के लिए बाहर निकले तो ई-रिक्शा गायब मिला। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं लगा, जिसके बाद उन्होंने मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। सीसीटीवी फुटेज में देर रात एक अज्ञात व्यक्ति ई-रिक्शा ले जाते हुए स्पष्ट दिखाई दे रहा है। फुटेज मिलने के बाद प्रमोद राजपूत ने गंगाघाट कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी और मुकदमा दर्ज कर वाहन बरामद कराने की मांग की। प्रमोद ने बताया कि वह किराए पर ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का खर्च चलाते हैं। वाहन चोरी होने से उनकी रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ा है। उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द ई-रिक्शा बरामद कराने की मांग की है।

'अनुराग संकल्प टीम' ने सनातन संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प

भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र में 'अनुराग संकल्प टीम' सनातन संस्कृति को मजबूत करने और जनसंवाद स्थापित करने के उद्देश्य से सक्रिय है। इसी कड़ी में, टीम के सदस्य क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लोगों से संपर्क साध रहे हैं। हाल ही में, ग्राम रायपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में अनुराग त्रिवेदी के पिता रानू त्रिवेदी ने भाग लिया। रानू त्रिवेदी ने कथावाचक परमपूज्य आचार्य पारस दास जी महाराज, नैमिषारण्य के मुखारबिंदु से कथा का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने महाराज जी से भेंट कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर रानू त्रिवेदी ने कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों से बातचीत की। उन्होंने लोगों के सुख-दुःख और स्थानीय मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने जोर देकर कहा कि सनातन संस्कृति केवल आस्था नहीं, बल्कि हमारी जीवन-पद्धति, संस्कार और सामाजिक एकता का आधार है। 'अनुराग संकल्प टीम' का मुख्य उद्देश्य जनसेवा के साथ-साथ सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और भारतीय संस्कारों को सशक्त बनाना है। टीम द्वारा गांव-गांव पहुंचकर धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में सक्रिय रूप से सहभागिता की जा रही है, जिससे आमजन से निरंतर संपर्क बना रहे। टीम ने संकल्प लिया है कि जनसेवा के साथ-साथ सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य किया जाएगा। इसका लक्ष्य भगवंत नगर विधानसभा परिवार में सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता की भावना को और अधिक मजबूत करना है।

2027 चुनाव से पहले RLD को झटका,

यूपी अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने छोड़ा पद और पार्टी

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर आस्था और न्यायिक प्रक्रिया का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच और ट्रस्ट की कार्रवाई के आधार पर दोषियों

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच राष्ट्रीय लोकदल (RLD) को बड़ा संगठनात्मक झटका लगा है। पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने अपने पद से इस्तीफा देने के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ दी है। बताया जा रहा है कि डॉ. रामाशीष राय ने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को भेज दिया है। उनके इस फैसले के बाद प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक जानकार इसे विधानसभा चुनाव से पहले आरएलडी के लिए अहम घटनाक्रम मान रहे हैं। डॉ. रामाशीष राय प्रदेश संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे थे। ऐसे में उनके अचानक इस्तीफा देने से पार्टी के संगठनात्मक ढांचे और आगामी चुनावी रणनीति पर असर पड़ने की चर्चा शुरू हो गई है। खासकर ऐसे समय में, जब सभी राजनीतिक दल 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में जुटे हैं। फिलहाल, राष्ट्रीय लोकदल की ओर से डॉ. रामाशीष राय के इस्तीफे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, इस्तीफे के पीछे की वजह भी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि पार्टी नेतृत्व इस घटनाक्रम पर क्या फैसला लेता है और उत्तर प्रदेश संगठन की कमान किसे सौंपी जाती है। वहीं, यूपी सरकार ने 16 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की जरूरतों, उम्मीदों और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नई युवा नीति (Youth Policy) बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को युवा कल्याण समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक स्वतंत्र और व्यापक युवा नीति तैयार की जाए। इस नीति का उद्देश्य युवाओं की शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, खेल, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों को मजबूत करना होगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य युवा आयोग (State Youth Commission) के गठन की प्रक्रिया शुरू करने के भी निर्देश दिए। माना जा रहा है कि यह आयोग युवाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार को सुझाव देगा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए काम करेगा। सरकार का कहना है कि नई नीति के जरिए 16 से 35 वर्ष के युवाओं की बदलती जरूरतों, आकांक्षाओं और चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझकर योजनाएं तैयार की जाएंगी, ताकि उन्हें शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता के बेहतर अवसर मिल सकें।

नोटिस के बाद भी नहीं रुकीं तमन्ना मलिक, दोबारा कांवड़ लेकर हरिद्वार से निकलीं

संभल की रहने वाली तमन्ना मलिक एक बार फिर अपनी कांवड़ यात्रा को लेकर सुर्खियों में हैं। पहले प्रशासन की ओर से नोटिस मिलने के बाद भी उन्होंने इस बार दोबारा हरिद्वार से गंगाजल लेकर यात्रा शुरू की है। उनका कहना है कि वह 11 अगस्त को शिवरात्रि के अवसर पर गाजियाबाद के डासना मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगी। तमन्ना मलिक अपने पति अमन त्यागी और साथी अलीशा बानो के साथ हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकली हैं। यात्रा के दौरान जब वह मुजफ्फरनगर पहुंचीं तो मीडिया से बातचीत में उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था और यात्रा को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। तमन्ना मलिक ने कहा कि भारत का संविधान हर नागरिक को अपनी आस्था मानने और अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आजादी देता है। उन्होंने कहा कि इसी अधिकार के तहत वह कांवड़ यात्रा कर रही हैं और इसमें किसी तरह की रोक नहीं होनी चाहिए। बातचीत के दौरान तमन्ना ने कहा कि उन्हें सनातन धर्म में महिलाओं के सम्मान और अधिकार की भावना दिखाई देती है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका व्यक्तिगत अनुभव उन्हें इस राह पर लेकर आया है। तमन्ना ने पहले मिले प्रशासनिक नोटिस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि कानून किसी काम से नहीं रोकता, तो केवल धार्मिक आस्था के आधार पर नोटिस देना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि फरवरी में भी वह एक और कांवड़ यात्रा निकालने का प्रयास करेंगी।

यूपी में धार्मिक पर्यटन का विस्तार,

प्रमुख मंदिरों और स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाएगा

उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने देवीपाटन मंडल की पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा तेज कर दी है। शुक्रवार को गोंडा पहुंचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने करीब 18.35 करोड़ रुपये की 16 प्रस्तावित पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। गोंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती के प्रमुख धार्मिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। गोंडा के महाराजा सुहेलदेव सभागार में पर्यटन, संस्कृति और धर्मार्थ कार्य विभाग की प्रस्तावित तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री जयवीर सिंह ने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्य केवल भवन बनाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। बल्कि धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की पहचान को सुरक्षित रखते हुए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि एक करोड़ रुपये तक की सभी निर्माणाधीन परियोजनाएं नवंबर 2026 तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं। वहीं 1.5 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को छह महीने के भीतर पूरा करने के लिए भी अधिकारियों को कहा गया। वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के तहत गोंडा की सात, बहराइच की चार, बलरामपुर की तीन और श्रावस्ती की दो पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा की गई। गोंडा में मां नदना देवी मंदिर, जंबूद्वीप (राम जानकी मंदिर), अद्वैत स्वरूप आश्रम, भगवान कपिल मुनि आश्रम, भक्ति धाम और चारों धाम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास की योजनाओं पर चर्चा हुई। इन स्थानों पर सौंदर्यीकरण, मूलभूत सुविधाएं और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी को सुधार के निर्देश,

राज्यपाल ने अधिकारियों को दिया तीन महीने का समय

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गोरखपुर यूनिवर्सिटी की व्यवस्थाओं पर खुलकर नाराजगी जताई है। दीक्षांत समारोह में उन्होंने हॉस्टल के खाने, साफ-सफाई और छात्रों की सुविधाओं को लेकर कई सवाल उठाए। राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने खुद हॉस्टल की रसोई का निरीक्षण किया, खाने के सैंपल जांच के लिए भेजे और अधिकारियों को तीन महीने के भीतर सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बाहर से टिफिन मंगाने की व्यवस्था बंद होनी चाहिए, क्योंकि टिफिन में ड्रग्स भी आएगी, टिफिन में सब कुछ आएगा। राज्यपाल ने कहा कि कुछ लोगों को मेरी बातें बुरी लग सकती हैं, लेकिन कमियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों से तीन महीने के भीतर इन कमियों को दूर करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कह कि आपको शायद बुरा भी लगेगा, लेकिन जो हमारी कमिया है वो तो मुझे बताना ही पड़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शहर है। ऐसे में यहां की यूनिवर्सिटी में इस तरह की कमियां होना चिंता की बात है। उन्होंने आगे कहा कि ये तो गोरकपुर है, जहां स्वहम अमारे मुख्यमंतरी बिराजमान है और वहां ही ऐसी कमिया रहेगी, तो प्रदेश का क्या होगा। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को बाहर से टिफिन मंगाने की व्यवस्था बंद करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी को खुद भोजन की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि टिफिन का खाना बंद करवाओ, आप स्वयं एरेंज करो। इसके बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, टिफिन में ड्रक्स भी आएगी, टिफिन में वो भी आएगा, टिफिन में सब कुछ आएगा।